

‘मोर मयारू गुरुजी’ कार्यक्रम को मलिा स्कॉच अवार्ड

चर्चा में क्यों?

23 नवंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा संचालित ‘मोर मयारू गुरुजी’ कार्यक्रम का चयन स्कॉच अवार्ड (सलिवर) के लिये किया गया। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को यह अवार्ड नई दिल्ली में प्रदान किया जाएगा।

प्रमुख बदि

- राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को स्कॉच अवार्ड मलिने की घोषणा ऑनलाइन कार्यक्रम में की गई। इसमें देशभर से कई राज्य शामिल हुए।
- छत्तीसगढ़ से राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष तेजकुंवर नेताम, सदस्यगण पुष्पा पाटले, आशा संतोष यादव, संगीता गजभयि, सोनल कुमार गुप्ता, अगस्टीन बर्नाड और सचवि प्रतीक खरे कार्यक्रम में शामिल हुए।
- उल्लेखनीय है कि स्कॉच संस्था द्वारा नामांकन से लेकर अंतिम चरण तक लगभग 7 स्तरों पर चरणबद्ध तरीके से मूल्यांकन के बाद यह सम्मान दिया जाता है।
- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के ‘मोर मयारू गुरुजी’ कार्यक्रम के माध्यम से शकिषकों को बाल अधिकारों की रक्षा के लिये खेल एवं अन्य गतिविधियों के ज़रिये रोचक तरीके से प्रशकिषण दिया जाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से आयोग ने प्रदेश के लगभग 2 हजार शकिषकों को प्रशकिषति किया है।
- इस कार्यक्रम को रोचक तरीके से डिज़ाइन किया गया है। इसकी अवधि मात्र 2 से 3 घंटे ही रखी गई है, जिससे शकिषक इसे आसानी से ग्रहण कर सकें।
- आयोग का मानना है कि एक शकिषक और बच्चे का संबंध 5 वर्ष से 12 वर्ष तक रहता है और इस बीच शकिषक के व्यक्तित्व का बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए बाल अधिकार सहति शकिषकों द्वारा बच्चों से वार्तालाप करते समय और पढ़ाते समय कनि बातों पर ज़ोर देना है और कनि कमियों को सुधारना है, इन सभी वषियों को ‘मोर मयारू गुरुजी’ कार्यक्रम में शामिल किया गया है।